आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 01 Course Code: MARJ– 01

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. नीचै लिख्या गद्य री सप्रसंग व्याख्या करो –

'बड़ी दुख री बात है छोरी जलमै । जद पटकी, भाठौ आय पड़ियौ केवै । थोड़ी–सी बड़ी हुवै जद उणनै लाड–प्यार में ई रांड बिना बतळावै कोनी । पण थे तो अस्त्री हो, थाने तो अस्त्री जात नै इत्ती हीण नी समझणी चाईजे ।'

अथवा

मां ! छोरिया भेड़–बकरियां को है नी कै चावां जिकै रै लारै टोर देवा । म्हैं आछी तरै जाणूं वां छोरां नै । वानै देवणी अर कूवै में नाखणो बरोबर है । हुकम तो आप दोनां रौ ई चालसी, पण राय तो म्है ई देय देवां।

प्रश्न 2. आधुनिक राजस्थानी कहाणी री विसेसतावां बताावौ ।

अथवा

राजस्थानी भासा री आधुनिक गद्य विधावां री जाणकारी करावो ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

(ख) अन्नाराम 'सुदामा'

(ग) श्रीलाल नथमल जोशी

(घ) रामदास सांकृत्य

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 01 Course Code: MARJ– 01

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. नीचै लिख्या गद्य री सप्रसंग व्याख्या करो –

वास्तव में आज गांव उजड़ रैया है । अर सहर बस रया है । आ अेक विस्वव्यापी समस्या है । इण रै सागै मोटे दुख री बात आ है के गांवां री आदू अर जम्यो–जमायो मूळ ढाचो बिखर रयो है अर इण री ठौड़ नुंवै अर सुधार रै नांव जिको कीं आय रयो है वो सै उधार लियोड़ो अर अपरोखौ सो लखावै । इण हिसाब सूं गांवाई संस्कृति रा मूळ तत्त्व ई थोड़ा बरसां में खतम हुय जासी ।

अथवा

'वा आपरी परम्परा अर संस्कृति सूं सफा अजाण रैयनै आपरी जड़ा सूं कट जासी । उण री आपरी निजू 'आहडेनटिटी' अंगांई खतम हुय जासी । मायत अठै बसै है तो बेटो जाणै कठै जाय नै डेरा करसी । मां कैवै ज्यूं गांव अर परिवार दोनूं बरबाद हुय जासी । ओछी राजनीति अर तथाकथित सुधार गांवड़ां रै परम्परागत ढांचै नै अंगांई बिगाड़ नाखसी तो बिखराव अर व्यक्तिवादी भावना परिवार नाम री चीज नै बरबाद करसी ।'

प्रश्न 2. औपन्यासिक तत्त्वां रै आधार पर 'धोरां री धोरी' उपन्यास री समीक्षा करौ ।

अथवा

''राजस्थानी भासा रा प्राचीन गद्य साहित्य'' पर लेख लिखौ ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) डॉ.कल्याणसिंह शेखावत

(ख) 'सिलोका' कांई है?

(ग) रेखाचित्र किण नै कैवै?

(घ) 'भाठौ' रौ सारांस ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 02 Course Code: MARJ– 02

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. नीचै लिख्या पद्यांस री सप्रसंग व्याख्या करो –

अधंकार मत जांण बावळा, इंकलाब री छाया है
इण भाग बदळिया लाखां रा, केई राजा रंक बणाया है
रै आ वा काळी रात जका, पूनम रौ चांद हंसावै है
रै आ वा वाल्ही मौत जका, मुगती रौ पंथ बतावै है
रै आ वा भोळी हंसी जाका, के मरती वेळा आवै है
इण धुंआधार रै आंचळ में इक जोत जगै है जगमगती
अंधार घोर आंधी प्रचंड, आ धुंआधोर धंव–धंव करती ।

अथवा

म्है आया अकल बताबां नै, जनता रो राज जमाबा नैं
राजा देख समझली, सारी रीतभांत रजवाड़ां री
सैंग ढोल में पोल भरी है, धूम मची है धाड़ां री
धाड़ैत्यां नैं धमकाबा नैं ।

प्रश्न 2. आधुनिक राजस्थानी कविता री प्रवृत्तियाँ पर लेख निबन्ध लिखो।

अथवा

'बोल भारमली' में भारमली रौ चरित्र नारी हृदय री परतां नै किण भांत खौलै ? समझावो ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' रो सिरजण ।

(ख) 'राधा' काव्य रै जुग संदेस ।

(ग) 'बटाऊ' कविता रो संदेस ।

(घ) रघुराज सिंह हाड़ा ।

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 02 Course Code: MARJ– 02

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. नीचै लिख्या पद्यांस री सप्रसंग व्याख्या करो –
इतरा दिन ठगती रैई है, थूं भोळी बाण छळ जाती ही
खाती ही रोटी माटी री, पण गीत वीरै रा गाती ही
जे हमें जांण रौ नांम लियौ, तौ जीभ डांम दी जावैला
जे निजर उठी मैलां कांनी, तौ आंख फोड़ दी जावैला
जे हाथ उठायौ हाकै नै, नागोरी गहणौ जड़ दांला
जे पग धर दीनां सेठां घर, तौ पगां पांगळी कर दांला
महलां गढ़ कोटां बगळा रा, वे सपना हमें भुलाती जा ।

अथवा

सोभा सकळ वसंत री, सोपै मुरधर आप ।
लूआं थें फूलो–फूळों, पावो सुख अणमाप ।
जीवणदाता बादळया, था सूं जीवण पाय ।
भल लूआ बाजो कित्ती, मुरधर सहसी लाय ।

प्रश्न 2. कवि सत्यप्रकाश जोशी रै व्यक्तित्व सूं जुड्यौ अेक सांतरौ आलेख लिखौ ।

अथवा

राजस्थानी पद्य साहित्य की विसेसता बतावो ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।
(क) प्रबन्ध
(ख) लोक काव्य धारा
(ग) राजस्थानी काव्य री राष्ट्रीय चेतना
(घ) वीर रसात्मक काव्य

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 03 Course Code: MARJ– 03

राजस्थानी साहित्य रो इतिहास

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. राजस्थानी भासा रै विविध नावां में आप किण नांव नैं ठावौ मानौ । आपरै मत रौ खुलासौ करौ ।

अथवा

राजस्थानी भासा री विसेसतावां रौ अध्ययन किण तरै कर्यौ जा सकैं ?

प्रश्न 2. भासा रै सामाजिक महत्त्व नै उजागर करौ ।

अथवा

राजस्थानी साहित्य रै आदिकाल री प्रमुख प्रामाणिक रचनावां रो परिचै करावौ ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) प्राकृत अर अपभ्रंश में अन्तर

(ख) नागरी भासा रौ आधुनिक विकास

(ग) जूनी सैली

(घ) माध्यमिक राजस्थानी

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 03 Course Code: MARJ– 03

राजस्थानी साहित्य रो इतिहास

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. राजस्थानी भासा री विसेसतावां बतावो ।

अथवा

राजस्थानी भासा री खास बोलियां रौ संक्षिप्त परिचै दिरावौ ।

प्रश्न 2. आदिकाल री लोक काव्य धारा री रचनावां रो परिचै देवो ।

अथवा

राजस्थानी भासा रो काल विभाजन री इतिहास महताऊ बतावो ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) आज रै गद्य लेखन री विसेसतावां

(ख) जार्ज ग्रियर्सन रो काल विभाजन

(ग) वैग्यानिक लिपि रौ अरथ

(घ) सर्वनामी कितरी भांतरा व्है ?

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 04 Course Code: MARJ– 04

राजस्थानी लोक – साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. लोक –मानस री प्रमुख मानतावां किसी है ?

अथवा

लोक – वार्ता सूं कांई मतलब है ? खुलार्सा करौ ।

प्रश्न 2. आज रै युग में लोक साहित्य रै अध्ययन री कांई जरूरत अर महत्ता है ?

अथवा

राजस्थानी लोक संस्कृति री विसेसतावां रौ उल्लेख करौ ।

प्रश्न 3.. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) लोक साहित्य अर 'शिष्ट' साहित्य रौ भेद

(ख) लोक–साहित्य अर समाजशास्त्र

(ग) लोक गीत रो महत्व

(घ) लोक–कथावां अर अभिप्राय

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (पूर्वार्द्ध) M.A.Pre.Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 04 Course Code: MARJ– 04

राजस्थानी लोक – साहित्य

Max.Marks : 20

पूर्णांक – 20

टिप्पणी – प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं,तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है, (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

प्रश्न 1. राजस्थानी लोक गीतां में किसा–किसा प्रमुख संस्कारां रौ वरणण व्हियौ है ?

अथवा

राजस्थान में प्रचलित वीरता अर इतिहास सूं संबंधित कथावां बाबत विचार प्रगट करौ ।

प्रश्न 2. लोक – नाट्य री सामाजिक दीठ सूं महत्ता प्रतिपादित करौ ?

अथवा

वर्तमान समय में राजस्थानी लोक संस्कृति री चुनौतियां अर खतरां माथै प्रकास डालौ ।

प्रश्न 3. नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो ।

(क) राजस्थानी लोक–गाथावां रा प्रकार

(ख) लोक–साहित्यवादी सम्प्रदाय

(ग) लोक साहित्य अर इतिहास

(घ) लोक साहित्य अर लोक संस्कृति में संबंध

□